M.A. - I (Economics) NEP Pattern Semester-II

MAECO2008 Major Elective DSE - Financial Institutions and Markets

P. Pages : 3 **GUG/S/24/15458**

Time : Three Hours Max. Marks : 80

Notes : 1. All questions are compulsory.
2. All questions carry equal marks.
3. Give correct question number of the ans.

1. Explain the Nature and role of Financial System. **16**

OR

Explain the types and importance of financial intermediaries.

2. What are the different criteria's to evaluate assets. Explain it. **16**

OR

Explain in detail on the concept of interest rate risk and Market risk.

3. Write answer of following question **any two.** **16**

a) Explain the structure of commercial banks in India after 1970.

b) Write in short note on asset liability management of commercial bank.

c) Which are the banking sector reforms?

d) Explain the profitability and productivity of commercial bank in India.

4. Write answer of following question **any two.** **16**

a) What are the methods of selective credit control.

b) What are the efficiency of banks?

c) Evaluate the effectiveness of monetary policy.

d) Write in brief financial reforms after 1991.

5. Answer the following questions in short **all** questions are compulsory. **16**

a) What are the indicators of financial development.

b) What is the maturity risk?

c) What is management of N.P.A.

d) Explain the credit control methods.

****

M.A. - I (Economics) NEP Pattern Semester-II

MAECO2008 Major Elective DSE - Financial Institutions and Markets

Time : Three Hours | Max. Marks : 80

सुचना :- 1. सर्व प्रश्न सोडवा.
2. सर्व प्रश्नांना समान गुण आहेत.

1. वित्तीय यंत्रणेचे स्वरूप व भूमिका स्पष्ट करा. **16**

किंवा

वित्तीय मध्यस्थांचे प्रकार आणि महत्व स्पष्ट करा.

2. संपत्तीचे मुल्यमापन करण्याचे निकष कोणते? स्पष्ट करा. **16**

किंवा

व्याजदर जोखीम आणि (बाजार) विपणी जोखीम या संकल्पना सविस्तर स्पष्ट करा.

3. खालील प्रश्नांची उत्तरे लिहा **कोणतेही दोन.** **16**

अ) 1970 नंतर भारतातील व्यापारी बॅकांची रचना स्पष्ट करा.

ब) व्यापारी अधिकोषांची देयता व संपत्ती व्यवस्थापनावर टिपणे लिहा.

क) अधिकोषण क्षेत्रातील सुधारणा कोणत्या आहेत?

ड) भारतातील व्यापारी बँकाची लाभदायीकता आणि उत्पादकता स्पष्ट करा.

4. खालील प्रश्नांची उत्तरे लिहा **कोणतेही दोन.** **16**

अ) विभेदात्मक प्रत्यय नियंत्रणाची साधने स्पष्ट करा.

ब) बॅकांची कार्यक्षमता म्हणजे काय?

क) मौद्रिक धोरणाच्या यशस्वीतेचे मुल्यमापन करा.

ड) 1991 नंतरच्या वित्तीय सुधारणा थोडक्यात स्पष्ट करा.

5. खालील प्रश्न सोडवा **सर्व** अनिवार्य. **16**

अ) वित्तीय विकासाचे निर्देशक स्पष्ट करा.

ब) मुदत समाप्तीची जोखीम म्हणजे काय?

क) गैरधारण संपत्तीचे व्यवस्थापन NPA म्हणजे काय?

ड) पत नियंत्रण पध्दती स्पष्ट करा.

****

M.A. - I (Economics) NEP Pattern Semester-II

MAECO2008 Major Elective DSE - Financial Institutions and Markets

Time : Three Hours Max. Marks : 80

सुचनाएँ :- 1. सभी प्रश्न हल करना आवश्यक है।
2. सभी प्रश्नों के अंक समान है।
3. अपने उत्तर को प्रश्न का सही क्रमांक दिजिए।

1. वित्तीय यंत्रणा का स्वरूप एवं भूमिका स्पष्ट किजिये। **16**

अथवा

वित्तीय मध्यस्थो के प्रकार एवं महत्व स्पष्ट किजिए।

2. संपत्ती का मूल्यमापन करने के निकष स्पष्ट किजिए। **16**

अथवा

ब्याजदर जोखीम तथा बाजार जोखीम यह संकल्पनाएँ विस्तार से स्पष्ट किजिये।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दिजिऐ **केवल दो।** **16**

अ) 1970 के बाद भारत में व्यापारी बॅको की रचना स्पष्ट किजिए।

ब) वाणिज्य बैंको की देयता एवं संपत्ती के व्यवस्थापन पर टिप्पणीयॉ लिखिए।

क) अधिकोषण क्षेत्र में कौन कौनसे सुधार हुए बतलाईये।

ड) भारत में वाणिज्य बॅको की लाभप्रदता एवं उत्पादकता स्पष्ट किजिए।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दिजिऐ **केवल दो।** **16**

अ) विभेदात्मक साख नियंत्रण के साधन स्पष्ट किजिए।

ब) बॅको की क्षमता याने क्या?

क) मौद्रिक निती की सफलता का मुल्यमापन किजिए।

ड) 1991 के बाद हुए वित्तीय सुधार स्पष्ट किजिए।

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दिजिऐ **सभी** प्रश्न अनिवार्य है। **16**

अ) वित्तीय विकास के निर्देशक स्पष्ट किजिए।

ब) मुदत समाप्त होनेवाली जोखीम याने क्या?

क) गैरधारण संपत्ती के व्यवस्थापन NPA याने क्या?

ड) क्रेडिट नियंत्रण विधियों को स्पष्ट करें।

****